चुगलखोरी की तबाही

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे
भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

चुगलखोरी की बुराई बयान करते हुवे इमाम गजाली (रह) ने एक वाकिया नकल किया हे कि, एक शख्स बाजार एक गुलाम खरीदने गया, उसे एक गुलाम पसंद आ-गया, बेचने वाले ने कहा इस गुलाम मे कोई एब नही हे, बस ये हे कि इसमे चुगली की आदत हे, खरीदार राजी हो गया और उसे घर ले आया.

अभी कुछ ही दिन हुवे थे कि उस गुलाम की चुगली की आदत ने ये गुल खिलाया कि उसने अपने खरीदार की बीवी से तन्हाई मे जा कर कहा कि तुम्हारा शौहर तुम्हे पसंद नही करता, और अब उसका इरादा बांदी रखने का हे, इसलिये जब वो सोने को आये तो उस्तरे से उस्के कुछ बाल काट कर मुझे दे दो, ताकी मे उसपर जादु करा कर तुम दोनो मे दोबारा मोहब्बत का इन्तेजाम कर सकु, बीवी इस पर तैयार हो गई.

उधर गुलाम ने अपने आका से जा कर यु बात

बनायी कि तुम्हारी बीवी ने किसी गैर मरद से ताल्लुक बना लिये हे, और अब वो तुम्हे रास्ते से हटाना चाहती हे, उससे होशियार रहना, रात को जब वो बीवी के पास गया तो देखा कि बीवी उस्तरा ला रही हे, वो समझ गया कि गुलाम ने जो खबर दी थी वो सच्ची थी, इसलिये बीवी कुछ कहे उससे पहले उसी उस्तरे से बीवी का काम तमाम कर दिया.

जब बीवी के घर वालो को इस बात का पता चला तो तो उन्होने शौहर को कतल कर दिया, इस तरह अच्छे खासे दो खानदानो मे खून खराबे की नौबत आ गई.

गर्जे ये कि चुगली ऐसी बुरी बीमारी हे जिससे मुआशरा फसाद की जगह बन गया हे इसी लिये हजरत हूजेफा (रदी) से रिवायत हे नबी करीमﷺ ने इरशाद फरमाया चुगलखोर इन्सान जन्नत मे दाखिल नही होगा. (मुस्लिम, मिश्कात)

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.